भक्त नही वो भला है

क्या वो करेगा लेके चडावा सब कुछ त्याग के बेठा कही,
भक्त नही वो भला है ढूंडता गुण देखे गुणगान नही
मैं कहता नही श्रधा है बुरी पर कर्म तराजू धर्म वही,
भक्त नही वो भला है ढूंडता गुण देखे गुणगान नही

तू मंदिर फिर आया तू नाम मन्त्र सब जप आया,
जीवन में अब भी न सकूँ भोले का मन में वास नही,
क्यों मन मन्दिर तेरा खाली है क्यों खाली खुद मैं झाँक कभी,
भक्त नही वो भला है ढूंडता गुण देखे गुणगान नही

ये भोला है भंडारी है इसे पूरी दुनिया प्यारी है,
देवो का ये दानव का भी इस के मन भेद का भाव नही,
श्रधा नही देखे गा तेरी जब मन ही तेरा साथ नही,
भक्त नही वो भला है ढूंडता गुण देखे गुणगान नही

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16064/title/bhakat-nhi-vo-bhla-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |